replies of the Government on the Recommendations/Observations contained in Chapter I of the Fifteenth Report of the Committee (Thirteenth Lok Sabha) on "Reservation for and employment of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in State Bank of Patiala and credit facilities provided by the Bank to them."

RECOMMENDATIONS OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

MR. CHAIRMAN: I have to inform Members that the Business Advisory Committee, in its meeting, held on Monday, the 21st August, 2006, has allotted two hours for consideration and passing of the Factories (Amendment) Bill, 2005, and one hour for consideration and passing of the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament (Amendment) Bill, 2006, after they have been passed by Lok Sabha.

The Committee on re-consideration has allotted two hours instead of three hours for consideration and passing of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) and Financial Institutions Laws (Amendment) Bill, 2005, after it has been passed by Lok Sabha, and two hours each instead of three hours each for consideration and return of the Appropriation (No. 4) Bill, 2006, and the Appropriation (Railways) No.4 Bill, 2006, as passed by Lok Sabha.

The Committee also recommended that the House may dispense with lunch hour during the remaining part of the current Session and that the 'Listed Business' of the day should invariably be concluded the same day even if the House has to sit up to 6.00 p.m. and beyond.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION—*Contd.*

Recent Controversy over the National Song 'Vande Mataram'

श्री मुख्तार अब्बास नकवी (उत्तर प्रदेश): आदरणीय सभापति महोदय, एक बहुत ही महत्वपूर्ण, राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है, जो पिछले तीन-चार दिनों से विवाद का कारण बना हुआ है। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् का शताब्दी वर्ष समारोह चल रहा है। केन्द्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वह 7 दिसम्बर को सभी शिक्षण संस्थाओं में, सभी प्रमुख स्थानों पर वंदेमातरम् का गीत गाएं। इस निर्देश के बाद कुछ कट्टरपंथी संगठनों ने और कुछ मुट्ठीभर लोगों ने इसको धर्म का नाम देकर, इसका विरोध शुरू किया और कहा कि हम वंदेमातरम् नहीं गायेंगे।

(श्री उपसभापति पीठासीन हुए)

माननीय उपसभापति महोदय, इन कट्टरपंथियों का विरोध, इन कट्टरपंथियों द्वारा विरोध में दिए गए बयान से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी द्वारा वाराणसी में दिया गया बयान। जिसमें उन्होंने, जो स्वयं उनकी सरकार के निर्देश थे या उनकी सरकार का सर्कुलर था, उनको कंट्राडिक्ट करते हुए कहा कि वंदेमातरम् गाना कम्पलसरी नहीं है, मेंडेटरी है, जिसकी इच्छा हो गाए, जिसकी इच्छा हो नहीं गाए। ...(व्यवधान)...

माननीय उपसभापति महोदय, उससे भी ज्यादा महत्वूर्ण कांग्रेस पार्टी है, जो कि इस समय सत्ता का नेतृत्व कर रही है, उसका कल का बयान। उसने अपने बयान में कहा है कि वंदेमातरम् कोई कम्पलसरी नहीं है, मेंडेटरी है, जिसकी इच्छा हो गाए, जिसकी इच्छा हो नहीं गाए। ...(व्यवधान)... माननीय प्रधान मंत्री जी उस कमेटी के चेयरमैन हैं, जो कि राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् शताब्दी वर्ष मनाने के लिए कमेटी बनाई गई है। कल प्रधान मंत्री जी और मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ कुछ उलेमाओं की मीटिंग हुई। हम लोग मीटिंग में नहीं थे, लेकिन जो अखबारों में बयान आया है, उस मीटिंग में मानव संसाधन विकास मंत्री जी द्वारा उलेमाओं से कहा गया कि यह मेरा निर्देश नहीं है, यह प्रधानमंत्री जी का निर्देश था और इस बारे में हमें कुछ नहीं कहना है।...(व्यवधान)...

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह): गलत है।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: जो कुछ आपको कहना होगा, कहिएगा। उपसभापति महोदय, यह एक बहुत ही गंभीर विषय है। कुछ अलगाववादी मानसिकता के लोग "वन्दे-मातरम्" का विरोध करते हैं। उसको धर्म के साथ जोड़कर देश में ऐसा माहौल पैदा करना चाहते हैं जो कहीं न कहीं अलगाववाद के रास्ते पर जाता है। ऐसी अलगाववादी मानसिकता के लोगों को खुश करने के लिए सरकार, सरकार के मंत्री और सरकार का नेतृत्व करने वाली पार्टी जिस तरह के बयान देती है, निश्चित तौर से यह अलगाववादी मानसिकता के लागों के मनोबल को बढ़ाएगा और यह ऐसे अलगाववादी मानसिकता को बढ़ावा देता है। महत्वपूर्ण चीज यह है कि कल उस्ताद बिसमिल्लाह खां को पूरे देश ने खिराज-ए-अकीदत पेश की। वे उस्ताद बिसमिल्लाह खां, जिनकी शहनाई की धुनों से जब लोग "वन्दे-मातनम्" की आवाज सुनते थे तो लोगों की रगों में राष्ट्रभक्ति का प्रवाह बढ़ा जाता था। जब देश और विदेश में उस्ताद बिसमिल्लाह खां की शहनाई की धुनों से "वन्दे-मातरम्" की आवाज सुनाई पड़ती थी तो हर भारतवासी का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता था। ए॰ आर॰ रहमान का "मां तुझे सलाम", "वन्दे-मातरम्" - जब ए॰ आर॰ रहमान ने इस धुन को इस गीत को बनाया, तो जो भी भारतवासी सुनता है, चाहे वह हिन्दू हो या मुसलमान, सिख हो या इसाई हो, उसका सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है, वह खुशी से झूम उठता है, भारत के इस देशभक्ति के गीत के बीच। माननीय उपसभापति महोदय, जब संसद का सत्र चलता है तो राष्ट्रीयगान "जन-गण-मन-अधिनायक जय हे" के साथ हम उस संसद के सत्र की शुरूआत करते हैं और

जब सत्रावसान होता है, तब राष्ट्रीय गीत ''वन्दे-मातरम्'' के साथ होता है। ''वन्दे-मातरम्'' कोई कंपलसरी या मैंडेटरी का विषय नहीं है। अगर कम्पलसरी और मैंडेटरी का विषय होता तो कौन ऐसा सदस्य इस सदन के अंदर है जो यह कहे कि सत्रावसान के समय हम ''वन्दे-मातरम्'' नहीं गाएंगे? इसका मतलब यह है कि यह संवैधानिक व्यवस्था है, यह हमारा आईन है और इस आईन के साथ कोई मैंडेटरी और कंपलसरी चीज नहीं आती।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: श्री मनोहर जोशी।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: अगर सरकार की तरफ से यह बात आए, सरकार की तरफ से यह कहा जाए... (समय की घंटी)

श्री उपसभापति: हो गया। मनोहर जोशी जी।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: कि आपकी इच्छा हो तो गाइए, आपकी इच्छा हो तो नहीं गाइए... (व्यवधान)...

श्री उपसभापति: अब उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... अब हो गया।...(व्यवधान)... आप बैठिए। इस पर.डिबेट नहीं हो रही है।...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: माननीय उपसभापति महोदय, आजादी की लड़ाई के दीवानों ने... (व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नकवी साहब, इस पर डिबेट नहीं हो रही है।...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: आजादी के लोगों ने इसी ''वन्दे-मातरम'' को गाया ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बोलने दीजिए। बीच में क्यों उठते हैं? ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: और फिरंगियों को देश से बाहर निकाला था। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: मानसिकता को जो अलगाववाद के रास्ते ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: अब बस करिए। आपने कह दिया है, रिपीट क्यों कर रहे हैं?

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: वह मानसिकता जो देश को ...(व्यवधान)... उस मानसिकता को यह सरकार खुश करने के लिए देश के साथ खिलवाड़ कर रही है। उस समय Quit India Movement हुआ था ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: वह ठीक है। मैंने मनोहर जोशी जी का नाम बोल दिया है। अब आप उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: अंग्रेजों को बाहर भगाने के लिए और आज अलगाववादियों को इसी "वन्दे-मातरम्" ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: ठीक है। अब उनको भी बोलने दीजिए।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: अलगाववादियों को देश से बाहर भगाने के लिए ...(**व्यवधान**)... अलगाववादियों, बाहर भागों, "वन्दे-मातरम्" का जो शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है, इसका यह संदेश होना चाहिए। यह संदेश नहीं होना चाहिए कि अलगाववादियों को आतंकवादियों को मरहम लगाया जाए, उनके मनोबल को बढ़ाया जाए, केवल वोट के लिए कि वोट न चला जाए। धन्यवाद।

श्री मनोहर जोशी (महाराष्ट्र): बंकिमचन्द्र का "वन्दे-मातरम" गीत, मैं नहीं समझता हूं कि वह केवल ...(**व्यवधान**)...

श्री जयन्ती लाल बरोट (गुजरात): महोदय ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: सुनिए, बोलने से क्या होता है? ...(व्यवधान)... आप बीच में कमेंट करते हैं। ...(**व्यवधान**)... जो बोलते हैं, उसको सुनने की कोशिश कीजिए।

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, मैं समझता हूं कि यह गीत उन शहीदों का, जिन्होंने इस देश के लिए काम किया, आत्मसमर्पण किया, यह गीत उनका सम्मान है। मैं समझता हूं कि यह गीत ऐसे त्याग करने वाले लोगों की पहचान है, उनकी अस्मिता है और देश के लिए एक वरदान है। उपसभापति महोदय, मैं कभी यह सोच भी नहीं सकता कि इस देश में कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं जो "वन्दे-मातनम्" का विरोध करें। आप सभी को मालूम है कि "वन्दे-मातरम्" का गीत, इसी पार्लियामेंट में - उस समय तो काउंसिल कहते थे - सुचेता कृपलानी ने गाया था और वह तारीख थी, 14 अगस्त, 1947। यह गीत गाने के बाद थोड़े ही समय में देश आजाद हुआ और उस समय जो लोग उपस्थित थे, उन सब लोगों ने एक साथ कहा - वन्दे मातरम्। इसलिए इस गाने को केवल गीत नहीं समझा जा सकता। यह गीत हमारी प्रेरणा है और यह प्रेरणा देश में रहे। शताब्दी का साल जब पूरा हो रहा है, तब देश इसको याद करे। इसमें क्या गलत बात थी, मैं नहीं समझ सकता हूं। हमारे एच॰आर॰डी॰ मिनिस्टर ने सभी को यह कहा, सभी स्टेट्स को यह कहा कि यह गीत उस दिन कहना होगा और सभी लोगों ने इस बात को कहा। [The word used was 'should']. इसका मतलब यह है कि सभी को यह गीत गाना पड़ेगा। ऐसा ही माननीय एच॰आर॰डी॰ मिनिस्टर ने लिखा था। दुर्भाग्य की बात है कि वृत्त-पत्र में यह न्यूज आने के बाद* ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: जो यहां नहीं हैं, उनके बारे में मत कहिए।

श्री मनोहर जोशी: उन्होंने गलत किया। ...(व्यवधान)...

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश): महोदय ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बोलिए, ...(व्यवधान)... देखिए ...(व्यवधान)...

---

* Not recorded

श्री विनय कटियार: हमें यह ध्यान रखना होगा कि हम आतंकवाद पर चर्चा करते हैं, तो आतंकवादी तो संसद में नहीं रहते! हम उनके खिलाफ चर्चा करते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप आतंकवादी का नाम लेते हैं क्या? ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... Nothing will go on record. ...(व्यवधान)... आप बैठिए। ...देखिए...(व्यवधान)... वर्मा जी, आप बैठिए ... (व्यवधान)... देखिए, यह यहां की परंपरा है कि किसी का नाम ...(व्यवधान)... किसी व्यक्ति का नाम, जो अपने आपको यहां डिफेंड नहीं कर सकता, आतंकवादी कहने में किसी व्यक्ति का नाम नहीं ले रहे हैं। जब आप किसी व्यक्ति का नाम लेते हैं और वह अगर डिफेंड नहीं कर सकता ...(व्यवधान)... कटियार जी, बैठिए ... आप बैठिए... कटियार जी, यह question and answer session नहीं है। ...(व्यवधान)... आप बैठिए... आप मेहरबानी करके ज़रा शांति से बात कीजिए। ...(व्यवधान)... तारिक अनवर साहब... देखिए, यह परंपरा चेयर से निभाई जाएगी। चाहे आप सही समझें या गलत समझें, किसी व्यक्ति का नाम जो इस सदन में नहीं है, उसका नाम नहीं लेने दिया जाएगा, वह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, मैं इस विषय पर ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: कटियार जी, आप मेरे साथ argue कर रहे हैं ...I will not allow you to argue. मैं आपको argue करने के लिए allow नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)...

श्री विनय कटियार: नहीं, नहीं... प्रश्न यह है कि जो देश के अंदर लोग कर रहे हैं, क्या हम उनकी चर्चा नहीं कर सकते? माननीय सदस्य को नहीं मालूम है, मैं भी तीन बार लोक सभा का सांसद रहा हूं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप हैं, हम आपकी इज्जत करते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि आप जो चाहें, वह कह सकते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री विनय कटियार : उपसभापति महोदय, इसको हल्के ढंग से न लिया जाए। यह बड़ा गंभीर मामला है। इस पर गंभीर चर्चा की जाए। जरा इस पर अच्छी चर्चा हो ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: मैंने मनोहर जोशी को allow किया है, वे गंभीरता से बोल रहे हैं, बीच में आप उठे हैं, क्या बात है? आपको ही गंभीरता नहीं है, वे बोल रहे हैं, उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... आप उनको बोलने दीजिए। ...यह आपकी कैसी गंभीरता है, मुझे समझ में नहीं आता है। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, दूसरे ...(व्यवधान)...

श्री प्रभा ठाकुर (राजस्थान): महोदय, यह देश का ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: प्लीज आप बैठिए। ...(व्यवधान)... यह विषय नहीं है... यह विषय नहीं है। प्रभा जी, यह विषय नहीं है, आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir,*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamay, this is not connected to that, please sit down. *(Interruptions)* आप बैठिए... आप बैठिए ...(व्यवधान)... This is not correct, Mr Narayanasamy. That is a separate issue. *(Interruptions)* आप बैठिए... Nothing will go on record. *(Interruptions)* आप बैठिए... वह separate issue है और यह separate issue है। ...(व्यवधान)... आप बैठिए। ... मनोहर जोशी जी, आप बोलिए।

श्री मनोहर जोशी: मैं इस विषय पर चर्चा नहीं कर रहा ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: राजीव शुक्ल जी, आप भी कमाल करते हो! ...(व्यवधान)... आप भी कमाल करते हो, बैठिए ...(व्यवधान)... प्लीज Please help the Chair to conduct the proceedings properly. *(Interruptions)*

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, बाहर के व्यक्ति का नाम लिया जा सकता है या नहीं, इस विषय पर मैं किसी दूसरे समय पर बात करूंगा। आज हमारे सामने यही विषय है और केवल इस विषय पर मैं बात करना चाहता हूं कि सैकड़ों क्रांतिकारी लोग फांसी पर चढ़ गए और फांसी चढ़ते समय उन्होंने "वंदे मातरम्" का नाम लिया, देश को आजादी मिली। उस समय भी, देश आजाद होते समय भी अनेक लोगों ने "वंदे मातरम्" का नाम लिया था। आप सभी को मालूम है कि महात्मा गांधी जी ने ही शुरुआत की और ऐसे "वंदे मातरम्" को जब कई लोग कहते हैं कि देश में जब इस विषय की शताब्दी हो रही है, तब हम "वंदे मातरम्" नहीं कहेंगे, यह बहुत गंभीर बात है।

श्री मनोहर जोशी: और इसीलिए उपसभापति महोदय, यह बात क्यों हुई, मैं इस विषय के बीच में जाना चाहता हूं।

श्री उपसभापति: देखिए, जीरो आवर है, मैं आप से कुछ नहीं कहूंगा क्योंकि आप स्पीकर रह चुके हैं, आप यह समझ लीजिए, मैं आपको रोकूंगा नहीं । मैं आपको रोकूंगा नहीं, यह जीरो आवर है। आप ज़ीरो आवर की ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, मैं पूरा जानता हूं कि जीरो आवर के समय जितना भाषण करना होता है, मैं उतना ही करूंगा।

श्री उपसभापति: नहीं, भाषण तो नहीं हो सकता। ...(व्यवधान)... इसको सबस्टेंशिएल डिबेट में लाइए और डिसकस कीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, जितना बोलना होता है, मैं उतना ही बोलूंगा। ...(व्यवधान)...

* Not recorded

श्री उपसभापति: सबस्टेंशिएल डिबेट में लाइए, आप नोटिस दीजिए we will discuss. ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने की आज्ञा दी ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: ठीक है।

श्री उपसभापति: मैं एलाऊ कर रहा हूं। ...(व्यवधान)... आज जीरो आवर के सात विषय हैं। हमें उन सबको लेना है।

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, जो प्रश्न सदन में है, वह यही प्रश्न है कि एचआरडी मंत्री, माननीय अर्जुन सिंह जी ने अपना निर्णय क्यों बदला? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप सुन लीजिए, पहले आप उनको सुन लें और बाद में आप बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, मैं यह प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: उपसभापति महोदय, उनको प्रश्न तो मालूम होना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: जी?

श्री मनोहर जोशी: कि क्या पूछना चाहिए, वह तो समझें।

श्री उपसभापति: आप वह बता दीजिए।

श्री मनोहर जोशी: मेरा प्रश्न यही है कि माननीय मंत्रियों ने, मंत्री जी ने सभी स्टेट को डायरेक्टिव दिया था कि वंदे मातरम् कहें, यह निर्णय बदलने का कारण क्या है? उपसभापति महोदय, मैं इसका कारण जानता हूं केवल मुस्लिम समाज का तुष्टिकरण, यही एक कारण है। ...(व्यवधान)... यह मेरा कहना है। ...(व्यवधान)... उपसभापति महोदय, मैं यह भी जानता हूं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आपने जो सवाल किया है, वह हो गया है। ...(व्यवधान)... Nothing will go on record. ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: अर्जुन सिंह जी को ...(व्यवधान)... इस विषय पर इस्तीफा देना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: इसका जवाब देंगे। अहलुवालिया जी। ...(व्यवधान)... वह तो हो गया। ...(व्यवधान)... I have called the other name.

श्री मनोहर जोशी: उनको वंदे मातरम् कहना ही पड़ेगा। ...(व्यवधान)... यह भूमिका ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have removed it... *(Interruptions)...* Ahluwaliaji ...(व्यवधान)... मैं कैसा फील करता हूं। आप पूरे वक्त बात करेंगे, तो मैं कैसे सुन सकता हूं? ...(व्यवधान)... आप पूरे वक्त बात कर रहे हैं, मैं सुन नहीं सकता। ...(व्यवधान)... Only one of you should speak. ... *(Interruptions)*... I cannot hear all of you. One of you should speak... *(Interruptions)...*

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र): ये देश को तोड़ने की बात कर रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: जब आपकी टर्न आएगी, तब आप बोलिए। ...(व्यवधान)... आपकी जब टर्न आएगी तब आप बोलिए। ...(व्यवधान)... अहलुवालिया जी। आप बैठिए, ...(व्यवधान)... आप बैठिए। ...(व्यवधान)... अमर सिंह जी बैठिए। ...(व्यवधान)... मैं आपको बुलाऊंगा, आपको बुलाऊंगा। आप बैठिए, आप बैठिए, प्लीज। ...(व्यवधान)... प्लीज बैठिए। What you are speaking I cannot hear that. ...(व्यवधान)... One of you should speak. ...*(Interruptions)*... I will look into it... *(Interruptions)*... I will look into it... *(Interruptions)*... And after that I will take a decision. आप बैठिए, आप बैठिए। अहलुवालिया जी, आज बोलिए। ...(व्यवधान)... मैं देखता हूं। ...(व्यवधान)... I will take a decision after going through the records. (*Interruptions*) I will take a decision after going through the records. (*Interruptions*)

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): इसको रिकॉर्ड से हटाइए...(व्यवधान)

श्री उपसभापति: देखिए, मैंने सुना नहीं, मैं रिकॉर्ड देखूंगा...(व्यवधान) What is this? I am saying that after going...(*Interruptions*)... I said, after going through the records I will take a decision. (*Interruptions*) आप बैठिए...(व्यवधान)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, it has never happened in the history of...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I cannot ask anybody to...(*Interruptions*)...

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Sir,...(*Interruptions*)... ये हाउस से माफी मांगें...(व्यवधान)

श्री उपसभापति: बागड़ोदिया जी, आप प्लीज बैठिए...(व्यवधान) Mr. Kamal Akhtar, please sit down...(*Interruptions*)... आप बैठिए...(व्यवधान) मैं देखूंगा, I will look into the records and then I will take a decision...(*Interruptions*)... बोलिए अहलुवालिया जी। आप भी जरा शांति से बात कीजिए...(व्यवधान)...

1.00 P.M.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir,....(*Interruptions*)....

श्री उपसभापति: देखिए, मैं किसी से क्षमा मांगने के लिए...(व्यवधान)

श्री मनोहर जोशी: देश का अभिमान कोई माफी मांगने की बात है क्या...(व्यवधान)

श्री संतोष बागड़ोदिया: इनको माफी मांगनी चाहिए...(व्यवधान)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I cannot ask anybody to...(*Interruptions*)...

श्री मनोहर जोशी: सभापति जी, इन लोगों को देश से माफी मांगनी चाहिए...(व्यवधान)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 1 O' clock.

The House then adjourned at thirty-two minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled at one minute past one of the clock.

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, has it been deleted? We need your ruling...(*Interruptions*)... सर, उनसे माफी मंगवाइए...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, let him withdraw the word and let him apologise to the House....(*Interruptions*)....

श्री उपसभापति: मैम्बर साहब यहां नहीं हैं, उनके आने के बाद...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी (आन्ध्र प्रदेश): सर, उनसे माफी मंगवाइए...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, he has come. You ask him to withdraw the word...(*Interruptions*)....

श्री विक्रम वर्मा (मध्य प्रदेश): ये वन्दे मातरम का अपमान कर रहे हैं...(व्यवधान)... इन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: इन्हें हाउस से माफी मांगनी चाहिए...(व्यवधान)... It should be deleted. He should withdraw it and माफी मांगनी चाहिए हाउस से...(व्यवधान).

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, you have already said that you will go through the record....(*Interruptions*)....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Record is being examined...(*Interruptions*)... आप अपनी सीट पर जाइए और तब बोलिए...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, यह एक गम्भीर विषय है और मैंने तो यही...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए...(व्यवधान)...जरा सुनिए...(व्यवधान)... आप बैठिए... (व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, let him withdraw his remark first...(*Interruptions*)... What he said is on record...(*Interruptions*)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: आप इन्हें बोलने तो दीजिए...(व्यवधान)... उपसभापति महोदय, इनसे कहिए कि ये बैठ जाएं...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं...(व्यवधान)... वे क्या कह रहे हैं, आप मुझे सुनने तो दीजिए... (व्यवधान)... I want to hear him...(*Interruptions*)... मनोहर जोशी जी, आप बोलिए।

श्री मनोहर जोशी: सर, इस सदन में मैंने जो कहा है, वह पूरा विचार करके कहा है। हम सभी मुसलमानों के खिलाफ बिल्कुल नहीं हैं, लेकिन...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: यह क्या हो रहा है...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, what he said is on record...(*Interruptions*)...

श्री मनोहर जोशी: मुसलमानों के वोट चाहिए, इसलिए जो राजनीति हो रही है, उस राजनीति से हमारा विरोध है...(व्यवधान)... हम मुसलमानों के खिलाफ नहीं बोल रहे हैं...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am on my legs...(*Interruptions*)...Let me solve this problem....(*Interruptions*)....

श्री मनोहर जोशी: जो राजनीति हो रही है, हम उसके खिलाफ हैं...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए...(व्यवधान)...

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश): मुसलमानों को...(व्यवधान)... बोला, यह तो अच्छा हो गया...(व्यवधान)...

[شری ابو عاصم اعظمی : مسلمانوں کو ـــمداخلتـــ بولا، یہ تو اچھا ہو گیا ـــمداخلتـــ]

श्री उपसभापति: आप बैठिए, मैं खड़ा हूं...(व्यवधान)... आप जरा बैठिए न...(व्यवधान)... मनोहर जोशी जी, सवाल यहां यह है, मैं रेकार्ड आपके सामने, हाउस के सामने पढ़ रहा हूं, आपने कहा है, ''मैं इसका कारण जानता हूं, केवल मुस्लिम समाज''। अगर आप यह कह रहे हैं कि पूरे मुसलमानों के लिए नहीं कह रहा हूं, मगर मुस्लिम समाज पूरे मुसलमानों का होता है...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, मेरे आगे का भाषण बोलने के पहले ही...(व्यवधान)...

†[ ] Transliteration in Urdu Script.

श्री उपसभापति: ठहरिए...(व्यवधान)... "समाज का तुष्टीकरण, यह एक ही कारण है।" अब इससे यह impression होता है कि एक particular community को please करने के लिए आपने यह decision लिया है...(*Interruptions*)...

2.00 P.M.

SHRI MANOHAR JOSHI: This is against the Minister. It is not against the Samaj. Somebody has to understand this...(*Interruptions*)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: सर, वे माफी मांगें...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, मैंने यह कहा...(व्यवधान)... आप ने ऐसा डाइरेक्टिव दिया ...(व्यवधान)... और बाद में ऐच्छिक कर दिया।...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, I don't understand why there is a dispute...(*Interruptions*)... It is really...(*Interruptions*). The point is that it was referred to...(*Interruptions*)...वोट बैंक के रूप में परिवर्तित करने का प्रयास हो रहा है...(व्यवधान)... तुष्टीकरण हो रही है। ...(व्यवधान)... 50 साल से किसी ने आपत्ति व्यक्त नहीं की, अब नई बात आ रही है। इस के बारे में...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: किसकी आपत्ति है? ...(व्यवधान)...

श्री वेंकैया नायडु: यह मुसलमान समाज को फुसलाने के लिए, उन का वोट बैंक बनाने के लिए, ..(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record...(*Interruptions*)...

श्री वेंकैया नायडु:*

श्री विक्रम वर्मा:*

श्री मुख्तार अब्बास नकवी:*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 2.00 p.m.

The House then adjourned at seven minutes past one of the clock

The House reassembled at one minute past two of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): सर ....(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): ....(व्यवधान)....

* Not recorded

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, ...(*Interruptions*)....

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए। ....(व्यवधान)... आप बैठिए ....(व्यवधान).... माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए...(व्यवधान)....

श्रीमती विप्लव ठाकुर: सर, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: सब बैठ जाइए ....(व्यवधान)...सब बैठ जाइए ...(व्यवधान)... खूब कर लेना वन्दे मातरम्, मैं आपको बहुत टाइम दूंगा। ...(व्यवधान)... आपको वन्दे मातरम् के लिए बहुत समय मिलेगा ...(व्यवधान)... बैठिए।

माननीय सदस्य, श्री मनोहर जोशी जी के भाषण पर यहां आपत्ति उठाई गई है। मैंने सारा भाषण पढ़ा है। मनोहर जोशी जी बोल रहे हैं, "उपसभापति महोदय, जो प्रश्न सदन में है, वह यही प्रश्न है कि एच॰आर॰डी॰ मंत्री, श्री अर्जुन सिंह जी ने अपना निर्णय क्यों बदला?" --यह मुख्य प्रश्न है -- "उपसभापति-आप सुन लीजिए। पहले आप उनको सुन लें और बाद में बोलें। मनोहर जोशी-उपसभापति महोदय, मैं यह प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं। उपसभापति-आप सुन लीजिए। मनोहर जोशी-उपसभापति महोदय, उनको प्रश्न तो मालूम होना चाहिए। उपसभापति-ठीक। मनोहर जोशी-क्या पूछना चाहिए, वह तो समझें। उपसभापति-आप वह बता दीजिए।"--मनोहर जोशी जी फिर बोले--"मेरा प्रश्न यही है कि माननीय मंत्री जी ने सभी स्टेट्स को डायरेक्टिव दिया था कि वन्दे मातरम् कहें। यह निर्णय बदलने का कारण क्या है?--यह इनका क्वैश्चन था। वे फिर खुद ही बोल रहे हैं--" मैं इसका कारण जानता हूं। केवल मुस्लिम समाज का तुष्टीकरण ही एक कारण है। यह मेरा कहना है।"

इस पर यह सवाल उठा कि यह कहना चाहिए कि नहीं कहना चाहिए। यह क्वैश्चन उन्होंने पोज़ किया और पोज़ करने के बाद अपनी तरफ से नहीं कहा है। इन्होंने मंत्री जी के ऊपर कहा है कि मैं एक कारण जानता हूं। केवल मुस्लिम समाज का तुष्टीकरण, यही एक कारण है। इसमें न तो समाज के ऊपर आरोप है। जोशी जी ने समाज पर आरोप नहीं लगाया है ...(व्यवधान)... मेरी बात तो सुनिए ...(व्यवधान)... यह मत करिए ...(व्यवधान)... एक मिनट, एक मिनट ...(व्यवधान)... मुझे खत्म करने दीजिए ...(व्यवधान)... मुझे बोलने दीजिए। मैं आपको बता देता हूं। ...(व्यवधान)... मंत्री जी पर आरोप है, मुस्लिम समाज पर आरोप नहीं है। इसलिए ...(व्यवधान)... एक मिनट। सुन लीजिए ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY (KARNATAKA): This is a offensive expression.

श्री सभापति: नहीं, expression नहीं है। यह गलत बात है ...(व्यवधान)... देखिए, इस तरह ...(व्यवधान)... एक मिनट सुन लीजिए ...(व्यवधान)... आप एक मिनट सुन लीजिए। आपको बोलने दूंगा। पहले सुन लीजिए। पार्लियामेंट में कई बार इसी तरीके की चर्चा उठी है। मैं आरोप लगाता हूं। यह आरोप मंत्री पर लगता है या किसी सदस्य पर लगता है ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: It is against some community.

MR. CHAIRMAN: Please hear me. ...(*Interruptions*)... थोड़ी शांति रखिए। आरोप मुस्लिम समाज पर नहीं है। ... (व्यवधान)... This much I can say. ...(*Interruptions*)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Let him say that. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापतिः कौन कहेगा? यह लिखा हुआ है न। That is written. ...(*Interruptions*)... It is in the speech. ....(*Interruptions*)... अब इस आरोप पर माननीय मंत्री महोदय स्पष्टीकरण देना चाहें तो दें, मैं आपकी अनुपस्थिति में कह चुका हूं....। मेरा प्रश्न यही है। ...(व्यवधान)... आप सुन लीजिए।'माननीय मंत्री जी ने सभी स्टेट्स को डायरेक्टिव दिया था कि वंदे मातरम कहें, यह निर्णय बदलने का कारण क्या है? उपसभापति महोदय, मैं इसका कारण जानता हूं, केवल मुस्लिम समाज का तुष्टीकरण, यही एक कारण है'। ...(व्यवधान)... आप ठहरिए।...(व्यवधान)... वह कारण ... (व्यवधान)... नहीं, नहीं आप बैठिए। ...(व्यवधान)... यह नहीं, मुस्लिम समाज पर कोई बात नहीं है। ...(व्यवधान).... मंत्री जी, आप कुछ कहना चाहें, तो कहें। ...(व्यवधान)... आप बोलिए, अगर बोलना चाहें। ...(व्यवधान)... आप बैठिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट बैठिए।

श्री अर्जुन सिंहः सभापति महोदय। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सर, अभी हम बोलेंगे, उसके बाद मंत्री जवाब दें। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः बोलिए, मैं कब रोकता हूं, लेकिन अभी वह केवल एक ही क्वैश्चन का जवाब देंगे। ...(व्यवधान)..

श्री एस॰एस॰ अहलुवालियाः नहीं, इस क्वैश्चन का जवाब तो आखिर में आएगा, जब बात पूरी होगी। अंत में जवाब आएगा, सर। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः केवल इसी बात का जवाब देंगे। ...(व्यवधान)... इनको बोलने दें। ...(व्यवधान)...

मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी (मध्य प्रदेश): सर, किशनगंज में श्री अटल बिहारी वाजपेयी साहब ने, एज ए प्राइम मिनिस्टर ऑफ इंडिया, इलेक्शन के जमाने में ऐलान किया था कि हमारी सरकार आएगी, तो हम पांच करोड़ मुसलमानों को उर्दू जुबां के मुलाजमात में बहाल करेंगे। उस वक्त क्या यह तुष्टीकरण नहीं कर रहे थे मुसलमानों का? आज हमारी सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगा रहे हैं ...(व्यवधान)... नहीं, सर, यह मुसलमानों को भड़काने के लिए इस तरह की बात करते हैं। जो बात आज कही जा रही है, अटल बिहारी वाजपेयी साहब ने, एज ए प्राइम मिनिस्टर ऑफ इंडिया, पांच करोड़ मुसलमानों की उर्दू की बहाली की बात कही

थी। कहां से लाते पांच करोड़? ...(व्यवधान)... यह तुष्टीकरण नहीं है। ...(व्यवधान)... किस बात का तुष्टीकरण? ...(व्यवधान)... यह मन का चोर जो यहां लाकर रखा जा रहा है, यह बात ठीक नहीं है, सर। ...(व्यवधान)...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : سر کشن گنج میں شری اٹل بہاری واجپئی صاحب نے، ایز اے پرائم منسٹر آف انڈیا، الیکشن کے زمانے میں اعلان کیا تھا کہ ہماری سرکار آنے گی، تو ہم پانچ کروڑ مسلمانوں کو اردو زباں کے ملازمات میں بحال کریں گے۔ اس وقت کیا یہ تشٹی کرن نہیں کر رہے تھے مسلمانوں کا؟ آج ہماری سرکار پر تشٹی کرن کا آروپ لگا رہے ہیں ۔مداخلت۔ نہیں، سر، یہ مسلمانوں کو بھڑکانے کے لئے اس طرح کی بات کرتے ہیں۔ جو آج کہی جا رہی ہیں۔ اٹل بہاری واجپئی صاحب نے، ایز اےپرائم منسٹر آف انڈیا، پانچ کروڑ مسلمانوں کو اردو کی بحالی کی بات کہی تھی۔ کہاں سے لاتے پانچ کروڑ؟ ۔مداخلت۔ یہ تشٹی کرن ہیں ہے ۔مداخلت۔ کس بات کا تشٹی کرن؟ ۔مداخلت۔ یہ من کا چور جو یہاں لاکر رکھا جا رہا ہے، یہ بات ٹھیک نہیں ہے، سر۔ ۔مداخلت۔]

श्री सभापति: माननीय सदस्य, एक बात सुन लीजिए। एक मिनट बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... मुस्लिम समाज पर तो आरोप नहीं है।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: सर, इसमें तुष्टीकरण की बात क्या है? ...(व्यवधान)...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : سر، اس میں تشٹی کرن کی بات کیا ہے؟ ۔مداخلت۔]

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़) : सर,यह बात सही नहीं है। ....(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं तुष्टीकरण के मामले में नहीं जाता। मैं इस विषय पर जा रहा हूं कि क्या माननीय सदस्य ने मुस्लिम समाज पर कोई आरोप लगाया है?

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): नहीं लगाया है।

श्री सभापति: आज मत बोलिए, जब मैं बोल रहा हूं। आप बैठ जाइए। ऐसी क्या बात है? ...(व्यवधान)... आरोप मुझ पर लगते रहते हैं कई बातों में। ...(व्यवधान)... क्या मुस्लिम समाज पर आरोप लगाया? मुस्लिम समाज के लिए इतना कहा है कि इन्होंने जो अपने नोटिफिकेशन में या निर्णय में बदली की है, वह बदलाव केवल मुस्लिम समाज के दबाव से किया है। तो आपकी तो

†[ ] Transliteration in Urdu Script.

प्रतिष्ठा बढ़ती है। ...(व्यवधान)... एक मिनट, आपकी तो प्रतिष्ठा बढ़ती है कि मुस्लिम समाज का दबाव इतना एफेक्टिव है कि मिनिस्टर को अपना निर्णय बदलना पड़ा। ...(व्यवधान)... यह है। ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): सर, यह बात सही नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए, मंत्री जी को बोलने दीजिए। Let him speak...(*Interruptions*)... Let him speak. आप बोलने दीजिए उनको। ...(व्यवधान)... आप मंत्री जी को बोलनें दीजिए उनको ...(व्यवधान)... आप मंत्री जी को बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री एम॰ वेंकैया नायडु: सर, मंत्री जी को आखिर में बोलना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक बार आप बैठ जाएं। ...(व्यवधान)... एक बार बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, मुझे अपनी बात पूरी करने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं समझता हूं, मैं बुलाऊंगा आपको। ...(व्यवधान)... आप बाद में बोल लेना। मंत्री जी केवल इसी इश्यू पर बोलेंगे।

श्री अर्जुन सिंह: सभापति महोदय, मेरी राय भी स्पष्ट है, जो उन्होंने कहा, वह भी स्पष्ट है। आपके इस निर्देश के बाद मेरे सामने यह प्रश्न उठ रहा है कि यह मैं माननीय सदस्य की मंशा मानूं या इसमें आदरणीय सभापति जी का ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नहीं, सभापति का कुछ नहीं है।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, यह क्या कह रहे हैं? ...(व्यवधान)...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली) आप बात करने दीजिए। बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सर, मंत्री जी अपने शब्दों को ऐसे कह रहे हैं, आपके ऊपर आरोप आ रहा है।

श्री सभापति: नहीं, मेरे ऊपर नहीं कहा। मेरे ऊपर कोई आरोप नहीं है। आप बैठिए, आप बैठिए, कोई आरोप नहीं है। ...(व्यवधान)... मेरे ऊपर कोई आरोप नहीं है। ...(व्यवधान)... आप बोलिए, मंत्री जी।

श्री अर्जुन सिंह: सभापति महोदय, फिर मैं यह मानकर चलता हूं कि माननीय सदस्य ने एक काल्पनिक निर्णय लिया, काल्पनिक रूप से मेरी ओर से कुछ स्वीकार कर लिया और इसके बारे में अपनी राय दे दी। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है। ...(व्यवधान)... ठीक है।

श्री एम॰ वेंकैया नायडु: पक्का।

श्री अर्जुन सिंह: पक्का-कच्चा तो कोई और तय करेगा, आप पक्का-कच्चा भी तय करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप सुनिए, पांच मिनट तसल्ली रखिए। क्या आपत्ति है आपको? बोलिए , मंत्री जी।

श्री अर्जुन सिंह: सभापति जी, मैं उस पत्र की एक कॉपी लाया हूं, जो मैंने सभी मुख्य मंत्रियों को लिखा था, अगर आपकी अनुमति हो तो मैं उसे पढ़कर भी सुना दूं:-

"A National Committee under the Chairmanship of Hon'ble Prime Minister of India has been constituted for commemoration of events which, amongst others, include the centenary of adoption of *'Vande Mataram'* as a National Song.

2. *'Vande Mataram'* was composed by Bankim Chandra Chatterjee in 1876 and Rabindranath Tagore recited it for the first time during the Congress session at Bombay in 1896. It was during the movement against the partition of Bengal, *Bang Bhang Andolan,* in the year 1905 that *'Vande Mataram'* became the battle song in the fight against imperialism. It was adopted as a National Song at the Varanasi session of the AICC on September 7, 1905.

3. The year long commemoration of 100 years of adoption of *'Vande Mataram'* as a National Song started on September 7, 2005 and will be coming to a close on September 7, 2006. As a befitting finale to the commemoration year, it has been decided that the first two stanzas of the National Song, *'Vande Mataram'* should be sung simultaneously at 11.00 AM on 7th September, 2006 in all schools, colleges and other educational institutions throughout the country. This nationwide simultaneous singing should be widely covered in the print and electronic media appropriately.

4. I shall be grateful if you could kindly issue necessary instructions to all concerned in your State in this regard."

This is all that I have written.

श्री सभापति: इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ न?

श्री अर्जुन सिंह: बदलाव का सवाल कहां आता है।

श्री सभापति: इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ न? ...(व्यवधान)... आप मंत्री जी को बताने

दीजिए। ...(व्यवधान)... ठहरिए, ठहरिए, आप लोग ठहरिए। ...(व्यवधान)... इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ न?

श्री अर्जुन सिंह: लैटर तो मैंने विदड्रा किया नहीं।

श्री सभापति: यह विदड्रा नहीं किया, लेकिन क्या इसमें बदलाव हुआ है?

श्री अर्जुन सिंह: मैं बता तो रहा हूं।

श्री सभापति: वह बता दीजिए।

श्री अर्जुन सिंह: मीडिया के लोगों ने मुझसे प्रश्न पूछा था कि आपने क्या कोई ऐसे आदेश दिए हैं कि सभी को कम्पल्सरली गाना पड़ेगा, तो मैंने कहा कि मैंने ऐसे कोई आदेश नहीं दिए। यह तो राज्यों में होगा, सामूहिक गान होगा, जो उसमें भाग लेना चाहें, भाग लें और जो न लेना चाहें, न लें। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: यही तो बदलाव है। ...(व्यवधान)...

श्री एम॰ वेंकैया नायडु: यही तो बदलाव है। ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: यही तो है बदलाव। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए। आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... मेरी सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आप भी मुक्त हो गए, मैं भी मुक्त हो गया, ये भी मुक्त हो गए और स्थिति भी साफ हो गई। जोशी जी, आप आगे बोलिए। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): सर, मंत्री जी का जवाब हो गया है। ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Sir, he has already made a long speech for half-an-hour. ...*(Interruptions)*...

श्री मनोहर जोशी: सर, मंत्री जी ने अपने ...(व्यवधान)...

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): सर, यह शून्यकाल का मुद्दा था, मैं सोचता हूं कि जो शंकाएं इनके मन में थीं, उनका समाधान माननीय मंत्री जी के उत्तर से हो गया है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: शंकाओं का समाधान नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: बिल्कुल हो गया है। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, एक सरकुलर निकालना और मीडिया के साथ बात करते समय ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी:*

* Not recorded

श्री सभापति: मैं अलाऊ नहीं कर रहा हूं। Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)...

श्री मुख़्तार अब्बास नकवी: प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में जो नोटिफिकेशन ...(व्यवधान)... उसमें अपनी मर्जी से संशोधन कर दिया ...(व्यवधान)... माननीय प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता में जो निर्णय हुआ, उसके विपरीत जाकर इन्होंने यह वक्तव्य दिया ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नोटिफिकेशन में संशोधन नहीं हुआ है, आप बैठ जाइए, नोटिफिकेशन में संशोधन नहीं हुआ है ...(व्यवधान)... यह गलत बात है ...(व्यवधान)... आप बीच में मत बोलिए ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: इस देश में रहने वाले हर नागरिक को "वंदे मातरम्" की इज्जत करनी पड़ेगी और सम्मान करना पड़ेगा ...(व्यवधान)... अगर मंत्री जी ...(व्यवधान)... तो यह प्रश्न खत्म हो जाएगा ...(व्यवधान)... सभी को इसका सम्मान करना पड़ेगा ...(व्यवधान)... इस देश में रह कर "वंदे मातरम्" न कहना, यह कहां का न्याय है ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, मंत्री जी के उत्तर के बाद मामला और भी संगीन हो गया है। आपने यह कहा कि नोटिफिकेशन बदला नहीं गया, हम भी यह नहीं कह रहे हैं कि नोटिफिकेशन लिखित में बदला गया। प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता में जो नोटिफिकेशन निकला, उसमें यह कहा गया है कि 11.00 बजे सभी शिक्षण संस्थाओं में "वंदे मातरम्" गाएंगे और मंत्री जी ने उसका तर्जुमा यह दिया ...(व्यवधान)... उसकी व्याख्या करते हुए मंत्री जी ने यह कहा कि जिनकी मर्जी हो गाएं, जिनकी मर्जी हो न गाएं ...(व्यवधान)... मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि प्रधान मंत्री जी अध्यक्षता में समिति ने जो फैसला किया ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप पहले मेरी बात सुन लीजिए ...(व्यवधान)... This subject is over ...(*Interruptions*)..

SHRI JANARDHANA POOJARY: There is no notification ...(*interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्या उसमें यह तय हुआ था कि जिसने गाना हा गाए, जिसने न गाना हो न गाए ...(व्यवधान)... मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि जो सर्कुलर ...(व्यवधान)... मंत्रालय से राज्यों को जाते हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)... बैठिए, बैठिए ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: इन्होंने जो मामला उठाया, उस पर माननीय मंत्री जी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर दी ...(व्यवधान)... मेरी आपसे प्रार्थना है ...(व्यवधान)... यह तो प्रश्नोत्तर हो गया ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल): मंत्री जी का बयान बिल्कुल स्पष्ट है ...(व्यवधान).. नॉन इश्यू को जान-बूझ कर ये इश्यू बनाना चाह रहे हैं ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: He is misleading the House ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, यह तो बहुत बड़ा अपराध है ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी ने जब लिखित ...(व्यवधान)... मानव संसाधन मंत्री जी ने ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, यह ठीक बात नहीं है ...(व्यवधान)... अब मैं एलाउ नहीं करूंगा ...(व्यवधान)...

श्री विक्रम वर्मा: प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता में जो निर्णय हुआ ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बार-बार इसी एक बात को ही क्यों कर रहे हैं? The subject is over. Now, we will be taking up The Wild Life (Protection) Amendment Bill, 2005. Shri A. Raja to reply ...*(Interruptions)*... आप जवाब दीजिए ...(व्यवधान)... आप बोलिए, बोलिए ...(व्यवधान)...

GOVERNMENT BILLS

The Wild Life (Protection) Amendment Bill, 2005—*Contd.*

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI A. RAJA): Sir, I would like to express my heartfelt thanks to the hon. Members who have participated in this important debate. ...(*Interruptions*)... During the course of the debate, an hon. Member had raised an important issue as to whether ...(*Interruptions*)...

.....(*Interruptions*)....Powers contemplated under Section 38 (o) to issue binding directions to any person, officer, or authority is really under federal Constitution.....(*Interrutions*)....Sir, I must clarify on this clause first .....(*Interruptions*).... Such a symmetrical and identical clause is available in the Prevention of Control of Pollution Act, 1981. (*Interruptions*)....Sir, let me permit to read out the provision available in the Act. Clause 31(A) says, "Notwithstanding anything contained in any other law, but subject to the provisions of Act, any direction that the Central Government may give in this behalf, a Board may, in the execise of its powers and performance of its functions under this Act, issue any directions in writing to any person officer, or authority and such person, officer or authority shall be bound to comply with such directions. "... (*Interruptions*)... Sir, such a clause is already available and I can assure the hon. Member that this provision is not unknown to me...(*Interruptions*)...With regard to other apprehensions that have been expressed by Shrimati Brinda Karat and other Members on tribal people residing in the project tiger areas, I can assure the Members...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य, वंदेमात्रम् गाना होगा, इसका कौन विरोध कर रहा है? ...(व्यवधान)...कौन वंदेमातरम् का विरोध कर रहा है? ...(व्यवधान)...